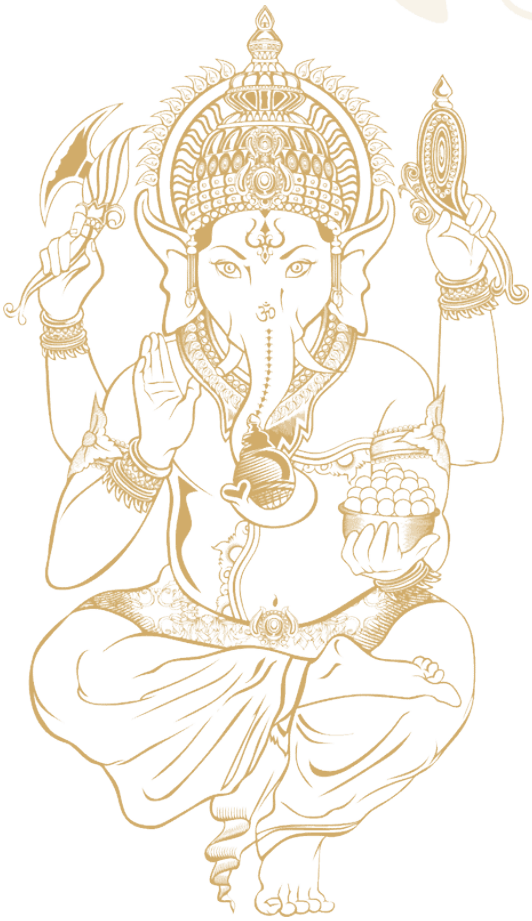

Mr.gg

07 Dec 2003

05:00 PM

Varanasi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120451701

तिथि 07/12/2003 **समय** 17:00:00 **वार** रविवार **स्थान** Varanasi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:54:29
अक्षांश 25:20:00 उत्तर **रेखांश** 83:00:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:02:00 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	22:05:19 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:08:46 घं	योनि	मेष
सूर्योदय	06:30:41 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	17:07:53 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2060	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1925	वर्ग	गरुड़
मास	मार्गशीर्ष	युँजा	पूर्व
पक्ष	शुक्ल	हंसक	भूमि
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	उ-उदय
नक्षत्र	कृतिका	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
योग	सिद्ध	होरा	चंद्र
करण	वणिज	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 8मा 28दि
राहु
05/09/2022
04/09/2040

राहु	18/05/2025
गुरु	12/10/2027
शनि	18/08/2030
बुध	06/03/2033
केतु	24/03/2034
शुक्र	24/03/2037
सूर्य	16/02/2038
चन्द्र	18/08/2039
मंगल	04/09/2040

योगिनी
उल्का 1वर्ष 8मा 28दि
धान्या
05/09/2023
05/09/2026

धान्या	05/12/2023
भ्रामरी	05/04/2024
भद्रिका	04/09/2024
उल्का	06/03/2025
सिद्धा	05/10/2025
संकटा	05/06/2026
मंगला	06/07/2026
पिंगला	05/09/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			20:04:20	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	केतु	---	0:00			
सूर्य			21:01:29	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	शुक्र	मित्र राशि	1.14	अमात्य	पितृ	वध
चंद्र			06:07:21	वृष	कृतिका	3	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण	1.62	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			00:56:22	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	मित्र राशि	1.16	कलत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			11:45:00	धनु	मूल	4	केतु	बुध	सम राशि	0.97	पुत्र	ज्ञाति	मित्र
गुरु			23:48:42	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	शनि	मित्र राशि	1.20	आत्मा	धन	अतिमित्र
शुक्र			19:01:53	धनु	पूर्वाषाढ़ा	2	शुक्र	राहु	सम राशि	0.98	भ्रातृ	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		17:45:17	मिथु	आर्द्रा	4	राहु	सूर्य	मित्र राशि	1.12	मातृ	आयु	क्षेम
राहु	व		26:31:55	मेष	भरणी	4	शुक्र	केतु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु	व		26:31:55	तुला	विशाखा	2	गुरु	केतु	सम राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

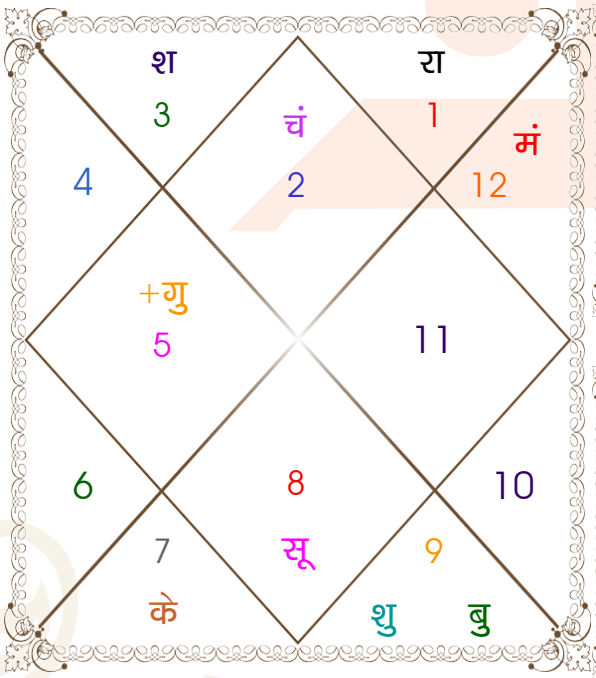

चन्द्र कुंडली

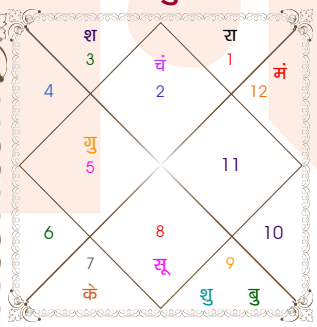

नवमांश कुंडली

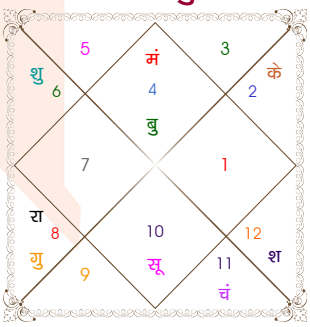

सर्वाष्टकवर्ग

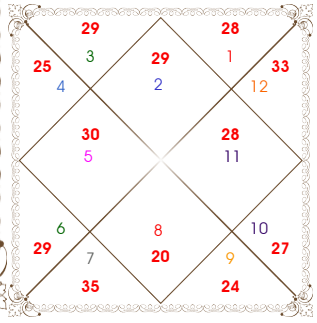

दशमांश कुंडली

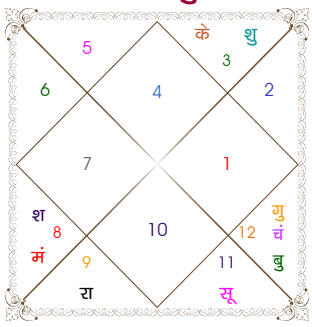

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी जिससे शरीर में दुर्बलता की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्यों तथा मानसिक संकल्पों में अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद का वातावरण विद्यमान रहेगा। स्त्री से भी आपके विशेष मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा आपसी मतभेद उत्पन्न होंगे फलतः दाम्पत्य संबंधों में तनाव रहेगा। इस वर्ष यात्रा यत्न पूर्वक उपेक्षा करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी साथ ही यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है। भौतिक सुख संसाधनों में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मित्र एवं संबंधियों से भी परस्पर तनावपूर्ण संबंध रहेंगे तथा जिससे आपको कोई विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा इसमें समय समय पर अनावश्यक समस्याएं रहेगी तथा लाभ मार्गो में भी बाधाएं आएंगी। अतः ऐसे समय में किसी नवीन कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें परेशानी उत्पन्न होगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को मध्य नजर रखते हुए बुद्धिमता एवं धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होती रहेगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा हृदय में उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय संबधियों से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।साथ ही परस्पर कलह का भाव भी उत्पन्न हो सकता है। स्त्री से भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा उसका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में भी अल्पता की अनुभूति होगी। इस वर्ष में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से यदा कदा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ नहीं रहेगा इस समय व्यापार संबधी समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा सहयोगियों एवं साझेदार से हानि की संभावना रहेगी। अतः व्यापार में पूर्ण सतर्कता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नतिमार्ग में बाधाएं आएंगी तथा उसमें अनावश्यक विलम्ब भी होगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी विशेष सहयोग नहीं मिलेगा अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इच्छित सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी।इस समय यात्रा आदि से भी कष्ट एवं हानि की संभावना रहेगी अतःयात्रा की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तथा ऐसे समय को शान्ति एवं बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

प्रथम मास

07/12/2025 08:22:20 से 05/01/2026 19:41:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:30:24
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:01:29
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:19:19
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:37:44
बुध		वृश्चिक	विशाखा	00:26:58
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:52:19
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	13:40:24
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:00:34
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:06:38
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:06:38
मुंथा		मीन	रेवती	20:04:20

मासाधिपति

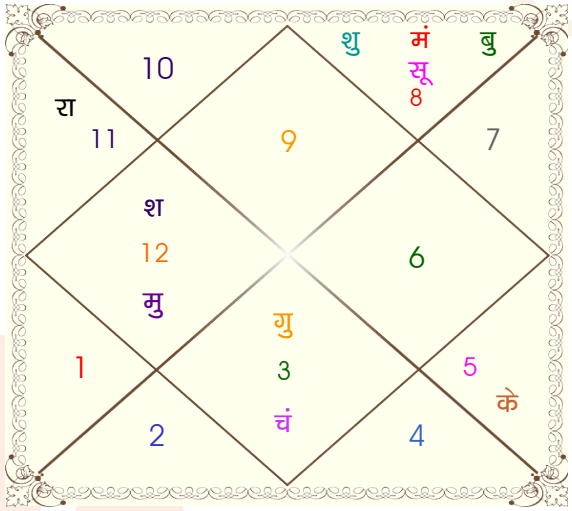

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगें। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता,मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी।

द्वितीय मास

05/01/2026 19:41:55 से 04/02/2026 07:24:37 तक

ग्रह		राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	22:14:27
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:01:29
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:22:16
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:59:31
बुध		धनु	मूल	11:29:47
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:31:40
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:45:42
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:13:44
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:07:03
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:07:03
मुंथा		मीन	रेवती	22:34:20

मासाधिपति

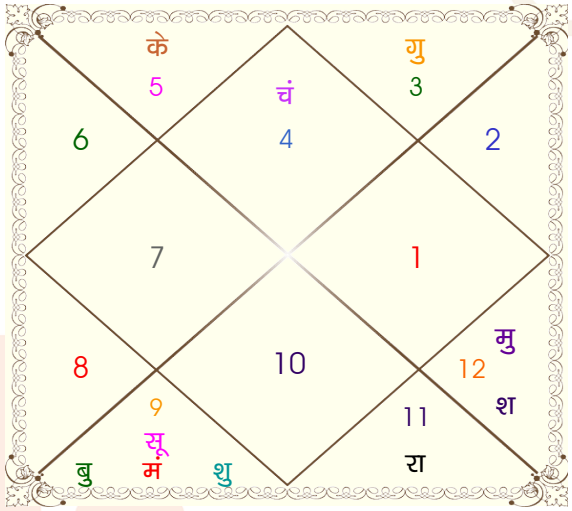

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्णरूपेण संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। साथ ही घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में भी अभिवृद्धि होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप यथोचित सम्मान तथा पूजन करेंगे। समाज में इस समय आपके यश की वृद्धि होगी एवं भाग्योदय सम्बंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा एवं यात्रा से आप पूर्ण लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। सरकारी या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा सर्वत्र माननीय एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी होंगे। जिसके कारण आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं या किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित होगी एवं बाद में आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानीपूर्वक कार्यो को सम्पन्न करें।

तृतीय मास

04/02/2026 07:24:37 से 06/03/2026 01:27:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	03:37:02
सूर्य		मकर	श्रवण	21:01:29
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:30:04
मंगल		मकर	श्रवण	14:54:59
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	00:42:19
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:48:13
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	27:49:02
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:43:30
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:48:35
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:48:35
मुंथा		मीन	रेवती	25:04:20

मासाधिपति

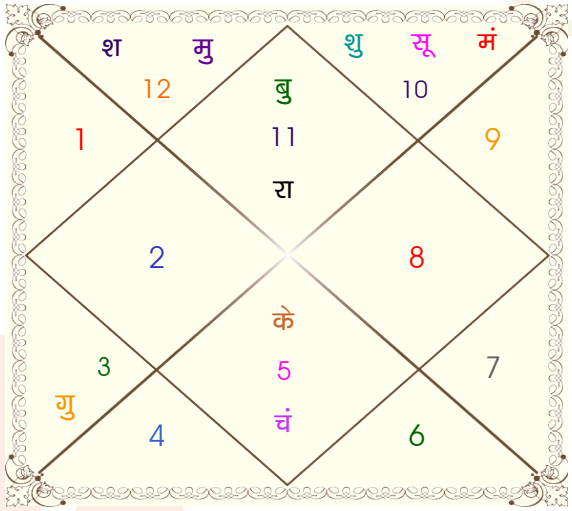

मासाधिपति : गुरु

इस महीने में आप अपने उत्साह द्वारा धन को अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप अपने बन्धुओं तथा मित्रों के मध्य उचित प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। साथ ही मिष्ठानोपभोग भी आप अधिक मात्रा में करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं उनको पराजित करने में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं व्यापारादि कार्यों में भी आपको वांछित लाभ प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी अभिवृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में आपको सफलता मिलेगी।

चतुर्थ मास
06/03/2026 01:27:21 से 05/04/2026 06:15:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	00:23:28
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:01:29
चन्द्र		कन्या	हस्त	19:06:44
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	08:19:34
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:15:10
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:54:32
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:00:29
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:04:49
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:44:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:30
मुंथा		मीन	रेवती	27:34:20

मासाधिपति

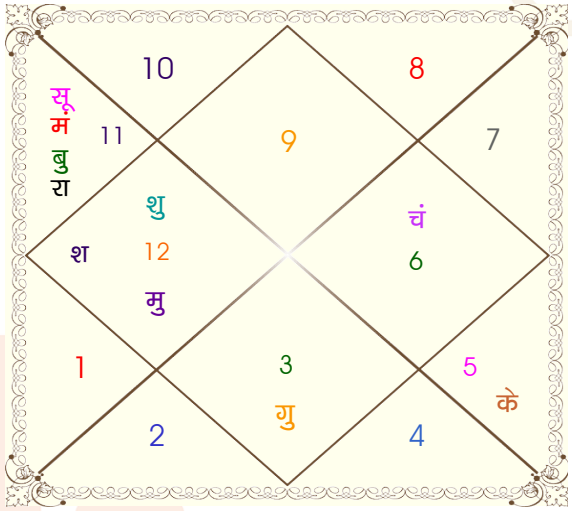

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

पंचम् मास

05/04/2026 06:15:40 से 05/05/2026 23:32:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	29:45:54
सूर्य		मीन	रेवती	21:01:29
चन्द्र		तुला	विशाखा	24:22:30
मंगल		मीन	पू०भाद्रपद	02:02:36
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:17:24
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:50:28
शुक्र		मेष	अश्विनी	12:22:29
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:49:22
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:11:19
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:11:19
मुंथा		मेष	अश्विनी	00:04:20

मासाधिपति

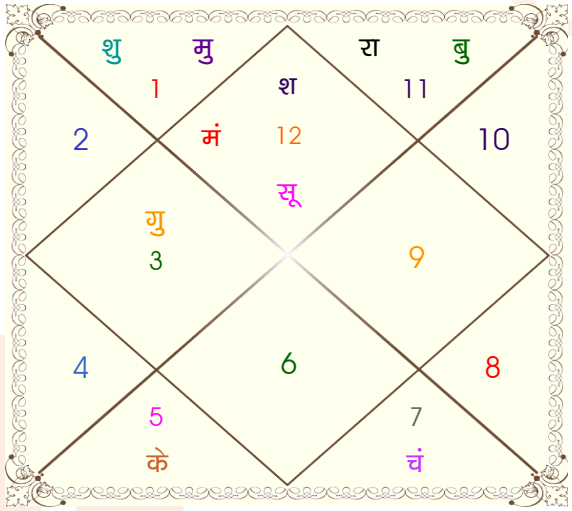

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

05/05/2026 23:32:13 से 06/06/2026 03:38:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:27:10
सूर्य		मेष	भरणी	21:01:29
चन्द्र		धनु	मूल	05:14:59
मंगल		मीन	रेवती	25:46:48
बुध		मेष	अश्विनी	10:56:26
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:22:20
शुक्र		वृष	रोहिणी	19:48:19
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:26:52
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:53:32
केतु	व	सिंह	मघा	11:53:32
मुंथा		मेष	अश्विनी	02:34:20

मासाधिपति

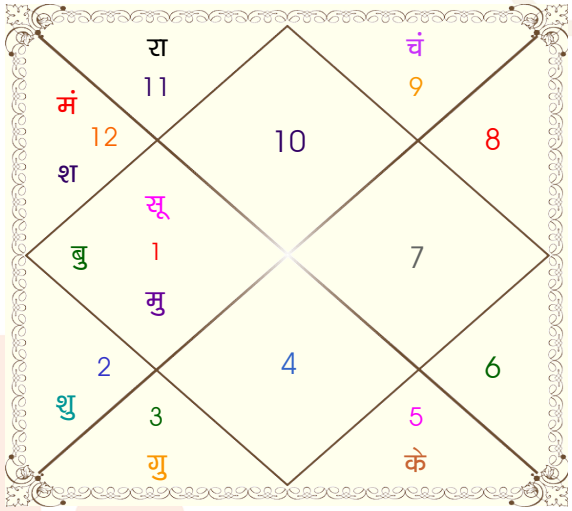

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास

06/06/2026 03:38:37 से 07/07/2026 13:51:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	26:31:33
सूर्य		वृष	रोहिणी	21:01:29
चन्द्र		मकर	श्रवण	22:06:17
मंगल		मेष	भरणी	19:10:09
बुध		मिथुन	आर्द्रा	12:48:37
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:46:57
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	26:57:57
शनि		मीन	रेवती	18:25:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:42:39
केतु	व	सिंह	मघा	08:42:39
मुंथा		मेष	अश्विनी	05:04:20

मासाधिपति

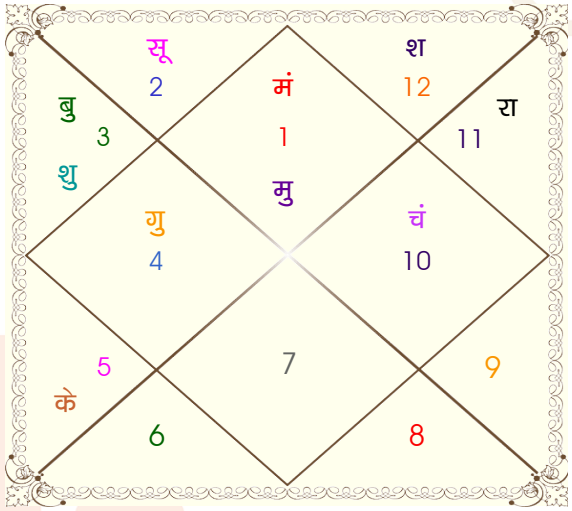

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

07/07/2026 13:51:03 से 07/08/2026 23:37:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	14:43:12
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	21:01:29
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	15:14:50
मंगल		वृष	रोहिणी	11:49:19
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:56:04
गुरु		कर्क	पुष्य	07:18:05
शुक्र		सिंह	मघा	03:07:02
शनि		मीन	रेवती	20:11:53
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:30:37
केतु		सिंह	मघा	06:30:37
मुंथा		मेष	अश्विनी	07:34:20

मासाधिपति

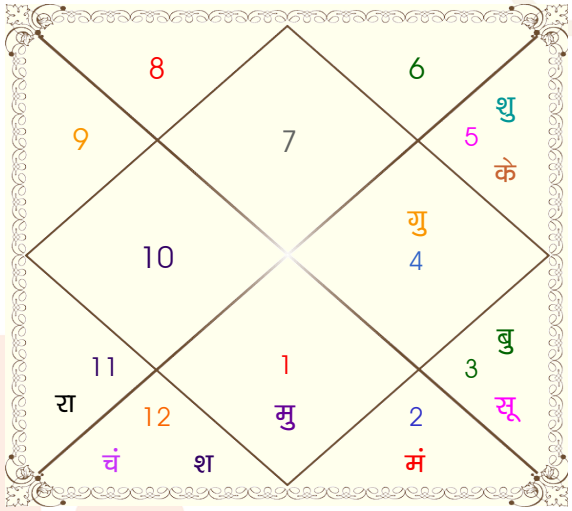

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम् मास

07/08/2026 23:37:01 से 08/09/2026 02:32:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	28:15:57
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	21:01:29
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:56:00
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	03:22:27
बुध		कर्क	पुनर्वसु	02:52:18
गुरु		कर्क	पुष्य	14:13:25
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:43:49
शनि	व	मीन	रेवती	20:23:52
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:39:21
केतु	व	सिंह	मघा	05:39:21
मुंथा		मेष	अश्विनी	10:04:20

मासाधिपति

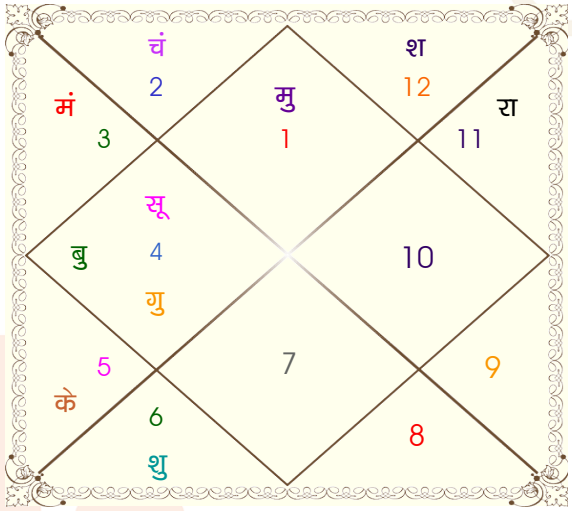

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षत शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

दशम् मास
08/09/2026 02:32:31 से 08/10/2026 18:15:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	08:42:42
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:01:29
चन्द्र		कर्क	पुष्य	08:16:53
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:29:18
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:56:55
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:53:42
शुक्र		तुला	चित्रा	04:05:59
शनि	व	मीन	रेवती	19:02:01
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:34:25
केतु		सिंह	मघा	05:34:25
मुंथा		मेष	अश्विनी	12:34:20

मासाधिपति

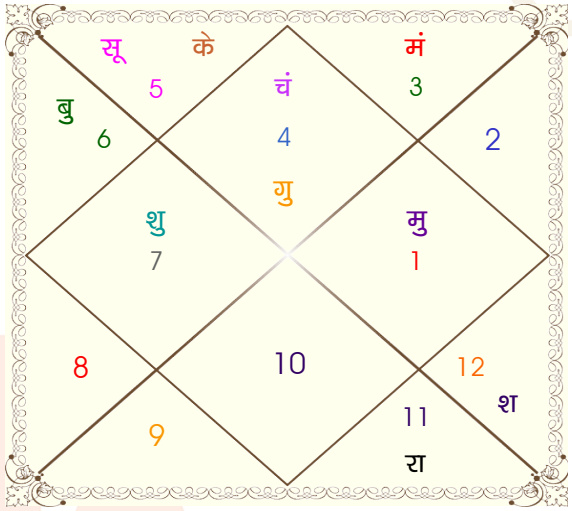

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्ति आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

एकादश मास

08/10/2026 18:15:27 से 07/11/2026 21:33:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	04:39:14
सूर्य		कन्या	हस्त	21:01:29
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:56:33
मंगल		कर्क	पुष्य	11:47:11
बुध		तुला	स्वाति	15:44:57
गुरु		कर्क	आश्लेषा	26:39:55
शुक्र	व	तुला	स्वाति	13:43:09
शनि	व	मीन	रेवती	16:45:12
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:50:42
केतु	व	सिंह	मघा	04:50:42
मुंथा		मेष	भरणी	15:04:20

मासाधिपति

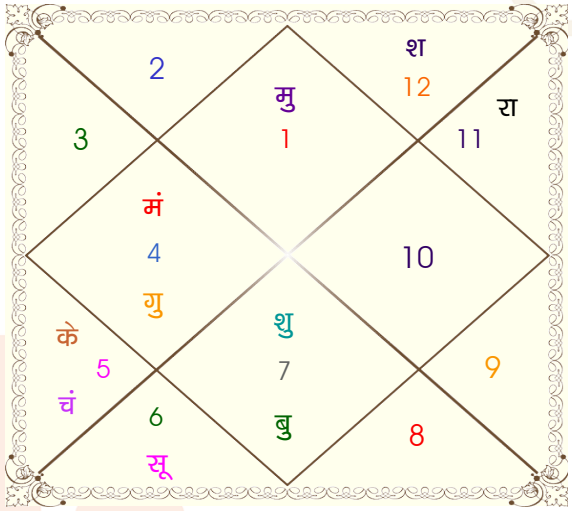

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्त्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

07/11/2026 21:33:31 से 07/12/2026 14:31:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	25:51:47
सूर्य		तुला	विशाखा	21:01:29
चन्द्र		तुला	चित्रा	02:16:52
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:40:14
बुध	व	तुला	स्वाति	14:11:25
गुरु		सिंह	मघा	00:50:46
शुक्र	व	कन्या	चित्रा	29:27:06
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:39:29
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:18:42
केतु	व	सिंह	मघा	02:18:42
मुंथा		मेष	भरणी	17:34:20

मासाधिपति

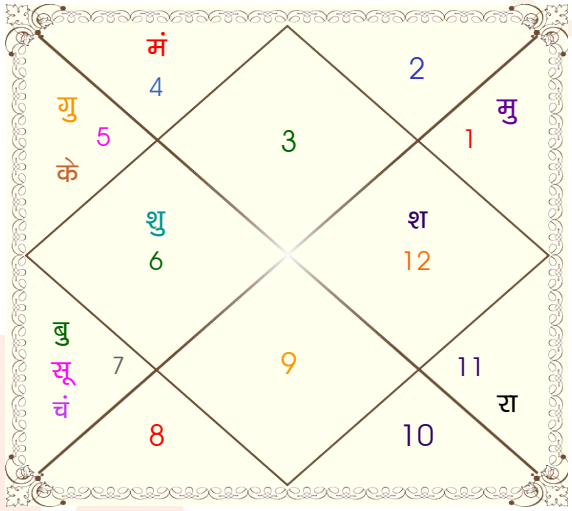

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।